

195

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1देहरादून दिनांक 15 फरवरी, 2015

विषय:- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत रामनगर में कन्वेंशन सेन्टर हेतु राज्यांश की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-349/2-6-850/2014-15, दिनांक 20 सितम्बर, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रामनगर में कन्वेंशन सेन्टर हेतु भारत सरकार द्वारा अनुमोदित योजना ₹ 571.47 लाख के सापेक्ष स्वीकृत धनराशि ₹ 500.00 लाख में से अवमुक्त धनराशि ₹ 100.00 लाख के व्यय के उपरान्त अनुमोदित परियोजना के सापेक्ष अवशेष धनराशि ₹ 71.47 लाख तथा अब तक उपभोग की गयी धनराशि के सापेक्ष देय 7% सैंटेज प्रभार की धनराशि ₹ 7.00 लाख एवं परियोजना क्षेत्र के अन्तर्गत गूल शिफ्टिंग हेतु ₹ 2.78 लाख इस प्रकार कुल धनराशि ₹ 81.25 लाख (रूपये इक्यासी लाख पच्चीस हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार के स्वीकृत सम्बन्धी शासनादेश में वर्णित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (ii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- (iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (v) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

CS

- (viii) उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2015 से पूर्व पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
- (ix) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (x) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (xi) धनराशि व्यय करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण पत्र तैयार कर शासन के माध्यम से भारत सरकार को प्रेषित किये जाने हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पर पूजीगत परिव्यय-01-पर्यटक अवसंरचना-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पोषित योजना-01-डेस्टीनेशनस एवं सर्किट्स हेतु आवस्थापना विकास-24-वृहत् निर्माण मद के नामे डाला जायेगा।

3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-674/XXVII(2)/2015, दिनांक 5 फरवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S/502260/15 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,


(डा0 उमाकान्त पंवार)
सचिव।

संख्या:- 329/VI(1)/2015-02(32)/2014, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- आयुक्त कुमाऊ मण्डल।
- 3- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी नैनीताल।
- 5- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, नैनीताल।
- 6- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(प्रकाश चन्द्र भट्ट)
उप सचिव।

CL